महिला सशक्तिकरण और पंचायती राज व्यवस्था

डॉ० ललिता कुमारी

महिलाओं के सशक्तिकरण का मतलब महिलाओं की उस क्षमता से है जिससे उनमें वे योग्यता आ जाती है कि वे अपने जीवन से जुड़े सही निर्णय ले सकती है। ऐसा निर्णय जो देश तथा समाज के तरक्की में सहायक हो। भारत देश में जहाँ 78 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, वहाँ पंचायती राज के नाम से प्रसिद्ध ग्रामीण स्थानीय शासन का महत्व स्वतः सिद्ध है। पंचायत भारत के प्राचीनतम् राजनीतिक संस्थाओं में से एक मानी जाती है। भारत में ग्रामीण विकास तथा सामुदायिक विकास कार्यक्रम को सफल बनाने में पंचायती राज की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पंचायती राज व्यवस्था महिलाओं के लिए वरदान के रूप में उभरी है इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में पंचायती राज आने से महिलाओं की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। पंचायती राज का प्रयत्न सही दिशा में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाने तथा नया जीवन प्रदान करने में सफल हुई है। इस आरक्षण व्यवस्था के कारण ही महिलाएँ अपने घर की दहलीज लाँघ कर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी क्षमता का परिचय दे रही है।